

मीरजापुर समाचार

पति के दूसरी शादी करने के शक में बच्चों को जहर देकर खुद भी खाया, तीन की मौत



मडिहान (मीरजापुर)। पति के दूसरी शादी करने के शक और मायके से ससुराल न ले जाने से आहत कुसुम (38) ने सोमवार की रात साढ़े नौ बजे तीन बच्चों को सब्जी-चावल में जहर मिलाकर खिलाने के बाद खुद भी खा लिया। इसमें कुसुम, बेटी राधिका (10) और बेटे सत्या (8) की मौत हो गई। बेटी मधु (12) की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने कुसुम के पति धर्मेन्द्र धरकार के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। संतनगर के

शीतलगढ़ गांव निवासी भाई धीरज उर्फ छोदू ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बहन कुसुम का विवाह 18 साल पहले मडिहान के परसौना गांव निवासी धर्मेन्द्र धरकार से हुआ था। दोनों की तीन बेटियों सुनैना, मधु, राधिका के अलावा बेटा सत्या (8) है। पांच साल से धर्मेन्द्र दिल्ली के शिकोहाबाद में मजदूरी कर रहा है। छह महीने पहले किसी महिला के साथ सोशल मीडिया पर धर्मेन्द्र की पोस्ट वायरल होने के बाद कुसुम को पति के बीच विवाद होने लगा। धीरज ने बताया कि 10 जुलाई को पति से विवाद के बाद कुसुम अपने बच्चों मधु, राधिका और सत्या को लेकर शीतलगढ़ स्थित मायके चली गई।

आजमगढ़ समाचार

दो दिन से लापता युवक का शव तालाब में मिला महाराजगंज। नवबरार देवारा जदीद किता दोयम गांव निवासी जयप्रकाश यादव (42) का शव मंगलवार की सुबह तालाब में मिला। युवक दो दिन पहले 12 जुलाई को घर से बाजार जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जयप्रकाश के घर नहीं लौटने पर परिजनों और रिश्तेदारों ने खोजबीन की। लेकिन पता नहीं चला। मंगलवार की सुबह औषड़गंज बाजार से लगभग 200 मीटर पहले गोबधन ढाल के पास स्थित तालाब में उसका शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पहचान की। जयप्रकाश अपने चार भाइयों में सबसे बड़े थे। वे एक निजी स्कूल में बस चालक थे। उनकी शादी हुई थी। तीन साल पहले वे पत्नी से अलग हो चुके थे। थानाध्यक्ष जयप्रकाश ने बताया कि तालाब से एक शव मिला। परिजनों ने पहचान कर ली है।

सोनभद्र समाचार

नहर में नहाते समय किशोर डूबा, तीन घंटे बाद मिला शव

रामगढ़। पनूगंज थाना क्षेत्र के पनिकप कला गांव के पास कर्मनाशा कट नहर के चौथे साइफन के निकट मंगलवार शाम नहर के दौरान सनी (15) नहर में डूब गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसकी तलाश शुरू की। साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसका शव बरामद हुआ। केतार गांव निवासी विजेन्द्र चरो का पुत्र सनी (15) अपने दोस्तों के साथ दोपहर करीब चार बजे नहर में नहाने गया था। नहाने के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। साथियों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पनूगंज पुलिस स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से किशोर की तलाश में जुटी रही। शाम करीब साढ़े सात बजे सनी को बाहर निकाला गया। परिजन उसे लेकर तिया सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। उधर म्योरपुर थाना

क्षेत्र में मंगलवार को हिंद दैम में नहाते समय शिवम गुप्ता (13) गहरे पानी में डूब गया। ग्रामीणों ने काफी प्रयास से उसे पानी से बाहर निकाला। सीएचसी के डॉक्टरों ने गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पड़री ग्राम पंचायत के चपरा टोला स्थित खंता पिकनिक स्पॉट पर जितेंद्र गुप्ता का

पुत्र शिवम अन्य बच्चों के साथ डैम में नहा रहा था, तभी वह गहरे पानी में चला गया। शिवम को डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया। परिजनों और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर काफी प्रयास के बाद उसे पानी से बाहर निकाला और सीएचसी पहुंचाया।

किशोरी का फंदे से लटकता मिला शव
सोनभद्र। जौनपुर जिले के मछलीशहर स्थित एक मदरसे से माह भर पूर्व कलाम पाक (कुरान मजीद) की पढ़ाई कर लौटी रुखसाना (17) का शव रॉबर्टसगंज कोतवाली क्षेत्र के तंकिया में सोमवार की देर शाम उसी के कमरे में फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के वक्त किशोरी घर पर अकेली थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बताते हैं कि रुखसाना पुत्री ताहिर सोमवार को घर पर अकेली थी। परिवार के सदस्य कामकाज के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। देर शाम सात बजे के करीब घर लौटे तो देखा कि उसके कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो खिड़की से झांका गया। अंदर फंदे से रुखसाना का शव लटकता देख सन्न रह गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भाई शाहिद ने बताया कि घर में कहीं ऐसी कोई बात नहीं थी जिससे उसे ऐसा कदम उठाना पड़े। परिवार के किसी सदस्य से उसका विवाद भी नहीं हुआ था। माह भर पहले ही वह जौनपुर जिले में स्थित मकदुम शाह मदरसे से कलाम पाक की पढ़ाई पूरी कर लौटी थी। प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि मंगलवार की दोपहर शव का पोस्टमार्टम करारकर परिवारवालों को सौंप दिया गया।

यात्रा का विधिवत समापन 28 अगस्त 2026 को होगा। हालांकि, यात्रा का सबसे मुख्य और महत्वपूर्ण पड़ाव 11 अगस्त 2026 को होगा, क्योंकि इस दिन सावन शिवरात्रि मनाई जाएगी। अधिकतर श्रद्धालु इसी दिन पवित्र गंगाजल से शिवलिंग का जलाभिषेक कर अपनी यात्रा पूर्ण करते हैं। **जलाभिषेक का शुभ मुहूर्त**
वैसे तो सावन के पूरे महीने में जल चढ़ाना फलदायी

मऊ समाचार

मऊ से कोलकाता के बीच 24 सितंबर तक चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

मऊ। मऊ से कोलकाता के लिए 24 सितंबर तक समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन 22 जुलाई से 23 सितंबर तक हर बुधवार की दोपहर मऊ से खाना होगी और 23 जुलाई से 24 सितंबर तक हर बृहस्पतिवार को कोलकाता से भी दोपहर में मऊ के लिए खाना होगी। कोलकाता से लिए खाना होगी। कोलकाता से मऊ आने के लिए यह चौथी ट्रेन होगी। इसके अलावा कोलकाता वीकली एक्सप्रेस, पूर्वीचल एक्सप्रेस और शांतिमार एक्सप्रेस हैं।

इस ट्रेन के चलने से जिले के बुनकरों और कपड़ा व्यापारियों को सहूलियत मिलेगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि यह ट्रेन पहले से चलाई जा रही है। मांग और इस रूट की ट्रेनों में अधिक भीड़

को देखते हुए इस ट्रेन को सितंबर माह तक चलाने का फैसला लिया गया है। कोलकाता समर स्पेशल (0509६) हर बुधवार की दोपहर 1:30 बजे प्लेटफार्म नंबर एक से खाना होगी। बेलथरारोड, सलेमपुर, भटनी, भाटपार रानी, मैरवा, एकमा, छपरा, दिघवारा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटौरी, बरौनी, किउल, जमुई, झांझा, जसीडीह, मधुपुर, चितरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्दमान, बंदेल, नैहाती होते हुए अगले दिन सुबह 8:१0 बजे कोलकाता पहुंचेगी। मऊ समर स्पेशल (05095) बृहस्पतिवार की दोपहर 1:20 बजे कोलकाता से खाना होगी और इसी रास्ते अगले दिन 7:45 बजे मऊ पहुंचेगी।

गाजीपुर समाचार

गुणवत्ता से समझौता नहीं, बाजार की मांग के अनुसार **बनाएं उत्पाद : डीएम रेवतीपुर/सेवराई।** स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बाजार की जरूरत के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने होंगे। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षण और सर्टिफिकेशन भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग और बिक्री सुनिश्चित हो सके।

यह बात जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने मंगलवार को भदौरा और रेवतीपुर ब्लॉक सभागार में आयोजित दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संवाद कार्यक्रम में कही।

डीएम ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की जानकारी ली। कहा कि ऐसे उत्पाद तैयार किए जाएं, जिनकी बाजार में अधिक मांग हो और उनकी गुणवत्ता बेहतर हो।

सुल्तानपुर समाचार

स्कूल गेट के सामने ई रिक्शा की चपेट मे आई छात्रा, मौत



भदैया। कोतवाली देहात के पखरौली कंपोजिट विद्यालय के बाहर मंगलवार सुबह बेकाबू ई रिक्शा की चपेट में आने से कक्षा एक की छात्रा अश्विनी की मौत हो गई। हादसे के बाद विद्यालय प्रशासन की लापरवाही सामने आने पर बीएसए ने इंचाज प्रधानाध्यापक कविता कनौजिया को निलंबित कर दिया है। उन्होंने अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों की भूमिका के जांच के भी निर्देश दिए हैं। फतेहपुर गांव निवासी दिनेश कुमार प्रजापति की बड़ी पुत्री अश्विनी (6) का चार दिन पहले ही पखरौली कंपोजिट विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश हुआ था। मंगलवार सुबह स्कूल पहुंची थी। ग्रामीणों के अनुसार सुबह 11 बजे वह किसी तरह स्कूल गेट से बाहर निकल गईं। तभी सड़क से गुजर रहे एक अनियंत्रित ई रिक्शा की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल अश्विनी को मेडिकल

कॉलेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ई रिक्शा चालक वाहन सहित घटनास्थल से भाग निकला। हादसे का पता चलने के बाद कोतवाली देहात पुलिस और बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता घटनास्थल पहुंचे। कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। अश्विनी का विद्यालय में महज चार दिन पहले ही प्रवेश हुआ था। उसके पिता दिनेश कुमार प्रजापति गुजरात के सूरत में एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। परिवार में अश्विनी सबसे बड़ी संतान थी जबकि उसकी छोटी बहन गौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के मुताबिक विद्यालय के मुख्य गेट की कुंडी काफी समय से टूटी हुई थी। गेट को केवल चैन के सहारे बंद किया जाता था, जिसे बच्चे आसानी से खोलकर बाहर निकल जाते थे।

देवरिया समाचार

सऊदी अरब रह रहे शख्स की मौत, परिवार मेंमची चीख-पुकार खुबूँदू। थाना क्षेत्र के नरौली खेम गांव निवासी 56 वर्षीय असरफ अंसारी की सऊदी अरब में मौत हो गई है। मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। अब परिजन शव आने का इंतजार कर रहे हैं। तीन साल पहले तीसरी बार सऊदी अरब गए थे। वह अक्तूबर में भतीजे के शादी में घर आने वाले थे। जानकारी के अनुसार, नरौली खेम गांव निवासी असरफ अंसारी छह भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। करीब 10 साल से लगातार सऊदी अरब में रहकर मजदूरी करते थे। करीब तीन साल पहले ही वह तीसरी बार सऊदी अरब गए थे। बताया जा रहा है कि रविवार की रात में अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ। इसके बाद वहां के मालिक ने उन्हें अस्पताल भेजाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

चंदौली समाचार

खड़े डंपर से भिड़ा ट्रक, डेढ़ घंटे केबिन में फंसा रहा चालक, अस्पताल में मौत



पींडीडीयू नगर। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर मंगलवार तड़के सड़क हादसे में बिहार के एक ट्रक चालक की जान चली गई। सदर कोतवाली क्षेत्र के जगदीशसराय गांव के पास सड़क पर खड़े बालू लदे डंपर से तेज रफ्तार ट्रक पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह चक्रनाचूर हो गया और चालक केबिन में फंस गया। करीब डेढ़ घंटे रेस्क्यू के बाद उसे बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह करीब चार बजे बिहार से मुगलसराय की ओर आ रहा एक ट्रक एनएच-19 पर जगदीशसराय के पास पहुंचा था। इसी दौरान

सड़क पर तेल खत्म होने के कारण बीच मार्ग में खड़े बालू लदे डंपर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रक चालक विकास कुमार (32)

निवासी रंगू डिगहा, पोस्ट मलहरा, जिला औरंगाबाद (बिहार) केबिन में बुरी तरह फंस गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। क्षतिग्रस्त केबिन को काटने और चालक को बाहर निकालने में काफी मेहनत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से करीब डेढ़ घंटे बाद चालक को बाहर निकाला गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के चलते कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा।

प्रयागराज समाचार

83 बीघा सरकारी पहाड़ पर कब्जा:कंटीले तार-पिलर गाड़कर प्लॉटिंग



प्रयागराज। पहाड़ पर कब्जा कर लिया गया। करीब 83 बीघा सार्वजनिक खाते की सरकारी पहाड़ भूमि पर भू माफिय ने अवैध प्लॉटिंग शुरू कर दी। कंटीले तार, पिलर, खंभे गाड़े जाने लगे। लोकेशन की वजह से रेट चढ़ने लगे। प्लॉटिंग की शिकायत से हंगामा खड़ा हो गया। लेखपाल प्राची सिंह की तहरीर पर एके ड्रीम सिटी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक समेत 19 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू हुई है। 5 जुलाई को दर्ज एफआईआर में भाजपा से जुड़ा ग्राम प्रधान भी पहले नंबर पर है। मामले में किसानों के बयान दर्ज हो रहे हैं। पुलिस और प्रशासनिक टीम पहाड़ी सिटी को लेकर पूछताछ कर रही है। यह पूरा मामला लालापुर थाना क्षेत्र के गोलहैया गांव स्थित पहाड़ी इलाके के हैं। संभम नगर के यमुनापार से खोलकर बाहर निकल जाते थे।

है। ये पहाड़ी इलाके आगे जाकर रीवां, सेहगौ पहाड़ी से मिलते हैं। भू माफिय की नजर पहाड़ी भूमि पर प्लॉटिंग और पहाड़ी सिटी बनाने पर पड़ी। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से गोलमाल शुरू हुआ। लालापुर के गोलहैया गांव में स्थित सरकारी पहाड़ भूमि पर अचानक से अवैध कब्जे और प्लॉटिंग शुरू की गई। मामला लखनऊ तक पहुंचा। इसके बाद अपर मुख्य सचिव गृह गोपन वीजा पासपोर्ट एवं सतर्कता विभाग उग्र शासन की ओर से पत्र जारी कर कार्रवाई के लिए कहा गया। शिकायत के बाद एसडीएम बारा के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम जांच को पहुंची। मौका मुआयना कर विस्तृत निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि सार्वजनिक उपयोग के लिए दर्ज सरकारी पहाड़ की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर प्लॉट काटे जा रहे थे। भूमि का स्वरूप बदलने का प्रयास किया जा रहा था। इसके बाद लेखपाल प्राची सिंह ने लालापुर थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया।

एफआईआर में एके ड्रीम सिटी प्रा. लि. के निदेशक नीरज कुमार कुशवाहा निवासी कनिहार हतापुर झुंसी समेत 19 लोगों को आरोपी बनाया गया। शंकरलाल पांडेय निवासी लालापुर, राजनाथ निवासी पूरा फतेह नैनी, बृजेश नाथ निवासी नैनी, उमेश नाथ नैनी, रेखा तिवारी नैनी, कमलेश तिवारी नैनी, रत्नेश तिवारी नैनी, प्रभात कुमार लालापुर, रामदेव लालापुर, सुखदेव लालापुर, जयदेव लालापुर, जगदेव लालापुर, सचिन लालापुर, पीयूष लालापुर, अनीता लालापुर, नीरज कुमार कुशवाहा झुंसी, अनंद मिश्रा ठाणे, महाराष्ट्र, पूनम मिश्रा ठाणे, महाराष्ट्र। एफआईआर में पहले नंबर पर शंकरलाल पांडेय का नाम दर्ज है। आरोपी शंकरलाल भटपुरा गांव का भाजपा का ग्राम प्रधान है। उसकी भाजपा के तमाम नेताओं के साथ तस्वीरें हैं। शंकरलाल लंबे वक्त से भाजपा युवा मोर्चा से जुड़ा रहा। पुलिस ने पहाड़ पर कब्जे में एफआईआर में भाजपा नेता और प्रधान शंकरलाल पांडेय का नाम सबसे ऊपर लिखा है।

लाइफ मंत्र

भगवान शिव का सबसे बड़ा भक्त था पहला कावड़िया जानें, कब से शुरू हुआ आस्था का सैलाब

शिवरात्रि या किसी विशेष दिन भगवान भोलेनाथ को अर्पित करते हैं। कांवड़िए नारंगी या केसरिया वस्त्र पहनते हैं और ‘बोल बम’ के जयकारों के साथ चलते हैं। पूरे रास्ते में ये भक्त नंगे पांव चलते हैं और कोई गलत या अपवित्र काम नहीं करते। **कांवड़ यात्रा की शुरुआत किसने की?** इस विषय में कई धार्मिक मान्यताएं और कहानियां जुड़ी हैं:

परशुराम से जुड़ी मान्यता कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने सबसे पहले कांवड़ यात्रा की थी। उन्होंने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर बागपत के पास स्थित शिव मंदिर में जल अर्पित किया था। **श्रवण कुमार की कथा** त्रेता युग में श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थ यात्रा पर ले गए थे। वह उन्हें हरिद्वार लाए और गंगाजल

भरकर लौटे। यह भी एक कारण है कि कांवड़ यात्रा को सेवा, भक्ति और त्याग का प्रतीक माना जाता है। **रावण और गंगाजल की कहानी** एक कथा के अनुसार, लंकाेश्वर रावण ने हिमालय से गंगाजल लाकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। जब भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष को पीकर अपना कंठ नीला किया था, तब गंगाजल से अभिषेक करके उन्हें ठंडक दी गई थी।

Nutritionist ने बताया कैसे Blueberries से बेहतर है ये देसी फल, इसकी चटनी बनाकर खाने से मिलेंगे कई फायदे



हेल्थ एक्सपर्ट लीमा महाजन के मुताबिक, अगर करौंदे की भी ब्लूबेरी की तरह तगड़ी मार्केटिंग की गई होती, तो आज ये इतना सस्ता नहीं मिलता। इसमें ब्लूबेरी से भी कहीं ज्यादा न्यूट्रिशन छिपा है। यह फल भले ही छोटा और कम आंका जाता हो, लेकिन इसके फायदे बड़े-बड़े हैं। करौंदे में फेनोलिक एसिड, फ्लेवोनोइड्स और एंथोसायनिन जैसे कमाल के कंपाउंड्स होते हैं। जब भी हेल्थ और फिटनेस की बात आती है, तो हममें से ज्यादातर लोग महंगे विदेशी फूड्स जैसे ब्लूबेरी के पीछे भागने लगते हैं, भले ही वो जेब पर कितने भी भारी पड़ें। लेकिन हम अपने देश के उन देसी सुपरफूड्स को भूल जाते हैं जो सस्ते भी हैं और आसानी से मिल भी जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट लीमा महाजन के मुताबिक, अगर करौंदे की भी ब्लूबेरी की तरह तगड़ी मार्केटिंग की गई होती, तो आज ये इतना सस्ता नहीं मिलता। इसमें ब्लूबेरी से भी कहीं ज्यादा न्यूट्रिशन छिपा है।

न्यूट्रिशन का पावरहाउस है यह छोटा सा फल

यह फल भले ही छोटा और कम आंका जाता हो, लेकिन इसके फायदे बड़े-बड़े हैं। करौंदे में फेनोलिक एसिड, फ्लेवोनोइड्स और एंथोसायनिन जैसे कमाल के कंपाउंड्स होते हैं। यह खाने के बाद आपके ब्लड शुगर लेवल को स्पाइक होने से रोकता है, हार्ट और लिवर को बिल्कुल फिट रखता है, और आपकी स्किन को लंबे समय तक यंग बनाए रखता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद फाइबर और पैक्टिन आपके डाइजेशन को एकदम सेट रखते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें भरपूर आयरन और विटामिन सी होता है, जिससे शरीर में खून की कमी नहीं होती।

डाइट में कैसे करें शामिल?

जुलाई से सितंबर के बीच मिलने वाले इस मौसमी फल का फायदा उठाने का सबसे बेस्ट तरीका है इसकी चटपटी चटनी। इसे बनाना बेहद आसान है। बस करौंदा, प्याज, लहसुन, हरी या सूखी लाल मिर्च, साबुत धनिया, जीरा और नमक को एक साथ बूँडर में पीस लें। आपकी टेस्टी और हेल्दी देसी चटनी तैयार है, जिसे आप अपने रोज के खाने के साथ एन्जॉय कर सकते हैं।

काई एवं स्टेशनरी

शादी के कार्ड

खत्री स्टेशनर्स

साई मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी

मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप

Designer Sarees Suits Bandha Trice Materials

Shahnaz

GURUBAG, VARANASI PH 2390017

आल टाइप गारमेंट्स शॉप



Exclusive Wear House Mens

Yadav katra, Dashashwamedh, vns. Ph. 2451389

मेडिकल शॉप

DIABETIC CARE POINT

Retailer Of All Kinds Of Medicines

C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.

Varanasi- 945048570, 9936153614

Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ

पहले देखे चमत्कार फिर दिल से करे नमस्कार

श्री अमर कुमार जयसवाल

कृष्णजी मिश्रवचन, करलेखा, फेन लेखन, कुक्षी मिरलान

अन्य प्रकार के चमत्कार, तांत्रिक एवं फिजिकल विशेषज्ञ

Indias No.1 Astrologer

Lokhandwala Branch

9324652370

Bandra Branch

8108888280

HEAD OFF : SHOP No-2, Shastri Nagar Complex, Siga, Varanasi-221010

Tel.: 0542-2220532, Mob.: 09305462682

Muscle Building की होड़ में कहीं Kidney Stone का शिकार तो नहीं हो रहे आप? जानें Protein Intake का सही पैमाना

शरीर को हेल्दी और फिट रखने के लिए लोग कई तरह की कोशिश करते हैं। खानपान से लेकर नियमित जिम जाने जैसे जरूरी उपाय करते हैं। लेकिन इसके साथ कुछ सावधानियां भी रखनी चाहिए।

अक्सर लोग फिटनेस के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोटीन लेने को सबसे जरूरी मानते हैं। वहीं वेट लॉस करने की कोशिश कर रहे लोग हों या फिर मसल्स बनाने की चाहत के लिए भी हाई प्रोटीन डाइट काफी चर्चा में रहती है।

गंभीर असर डाल सकती है। इसलिए जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने से सेहत अच्छी होने की बजाय किडनी की दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

किडनी की समस्याएं

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक किडनी खून को फिल्टर करके और शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। लेकिन लंबे समय तक जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने से किडनी को अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

इससे फिल्ट्रेशन पर एक्स्ट्रा दबाव बढ़ सकता है। कुछ मामलों में क्रिएटिनिन और यूरिया जैसे लेवल बढ़ने लगते हैं। यह किडनी की कार्यप्रणाली पर असर का संकेत हो सकता है।

एक्सपर्ट भी मानते हैं कि पशुओं से मिलने वाले ज्यादा प्रोटीन का सेवन कुछ लोगों में किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ा सकता है।

ज्यादा प्रोटीन लेने से किडनी पर असर

कई अध्ययनों में पाया गया है कि ज्यादा हाई प्रोटीन डाइट लेने से किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। वहीं जिन लोगों को पहले से किडनी रोग, हाई बीपी या डायबिटीज की समस्या है। उनमें यह एक्स्ट्रा दबाव की समस्या को बढ़ा सकता है।

पर्याप्त पानी न पीने और बहुत ज्यादा पशु-आधारित प्रोटीन लेने से कुछ लोगों में यूरिक एसिड और कैल्शियम से संबंधित पथरी बनने का खतरा बढ़ सकता है।

कितना प्रोटीन लें

एक सामान्य हेल्दी व्यक्ति के लिए रोजाना प्रति किलोग्राम शरीर के वेट पर करीब 0.8 ग्राम प्रोटीन पर्याप्त माना जाता है।

अगर किसी व्यक्ति का वेट 60 किलो है। तो उनको करीब 48 ग्राम प्रोटीन की रोजाना जरूरत हो सकती है।

हालांकि यह मात्रा फिजिकल एक्टिविटी, उम्र, बीमारी और मांसपेशियों की स्थिति के हिसाब से बदल सकती है। जो लोग रोजाना हेवी एक्सरसाइज करते हैं या एथलीट हैं। उनको एक्सपर्ट की सलाह के मुताबिक ज्यादा प्रोटीन की जरूरत हो सकती है।

किडनी को ऐसे रखें हेल्दी

किडनी को हेल्दी रखने के लिए

मेडिकल डायरेक्ट्री

बच्चों के डॉक्टर

मिनहाज चाइल्ड केयर

Dr. Minhaz Husain

MBBS, MD (Child Specialist)

पूर्व वरिष्ठ नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ (IMS-BHU)

www.minhazchildclinic.com

19A lane no 1, Ravindrapuri colony, Varanasi, UP - 221005

Mob.- 6387438255 / 8058811141

गुप्त रोग विशेषज्ञ

गुप्त रोग, ताकत जवानी, सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक क्लिनिक

राना रिस्पेन्सरी

डॉ. राना Govt Regd. Estd, 1948

पता: टकसाल सिनेमा के सामने (नियर ताज होटल) नंदेसर, वाराणसी

Mob.: 6386935615, 7388779172

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ

काशी ई.एन.टी. सेंटर

कान, नाक और गला रोग विशेषज्ञ

डॉ. अमरेन्द्र सिंह

M.B.B.S., M.S. (ENT) Mumbai

Fellow - Skull Base Surgery (Italy)

सिद्धिगिरीबाग (यूनियन बैंक के सामने) सिंगरा, वाराणसी

Mob.: 7052111138, 7052111139, 0542-2411138

लिवर रोग विशेषज्ञ

समर्पण गैस्ट्रो एवं लिवर क्लिनिक

इलाज एवं सुविधाएं: पेट में दर्द, उल्टी, गैस्ट्रिक अल्सर,खूनी उल्टी, कब्ज, मल में रक्त, रक्तस्रावी, आईबीएस, आईबीडी, हेपेटाइटिस, पॉलिया, लिवर सिरोसिस, लिवर एम्बेस, गैल स्टोन उपचार, अल्सर, आमोश्रय में छाला, अन्दरूनी रक्तस्राव और एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी।

परामर्श समय: 08:30 से 04:00 बजे तक

माहेश्वरी भवन के पास तुलसीपुर, महमूरगंज वाराणसी। मो. 9587794338

यूरोलॉजी विशेषज्ञ

Dr. Amit Kumar

MS.FICS M.ch (Urology)

CONSULTANT UROLOGIST

डॉ. अमित कुमार की सुविधा उपलब्ध

डी.63/13ए-5 अन्नपूर्णा कालोनी महमूरगंज, वाराणसी (नियर पासपोर्ट ऑफिस)

मानसिक रोग विशेषज्ञ

तनाव, अवसाद, घबराहट, बेचैनी,OCD याददाश्त कमजोर होना, स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर, गुस्सा, नींद की परेशानी, सिर दर्द, नशा करना, बच्चों और बड़ों की व्यवहारिक समस्याएं, आत्महत्या का विचार आना, माइग्रेन, न्यूरेल्लिज्या, सर्वइकल, हाथ-पांव में झनझनाहट व मिर्गी जैसे अन्य मानसिक रोगों का इलाज उपलब्ध।

रवि न्यूरो सायकेट्री सेंटर (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल)

लेन नं.-16 रविन्द्रपुरी, वाराणसी मो. 8756837310/ 7880893030

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डा. अनुपम श्रीवास्तव

MBBS, M.S. (Ortho)

डा. आरती दिव्या

MBBS, M.S. (Ortho)

X-ray in 250 Only

Fee Rs 250 Only

वात्सल्य हॉस्पिटल

जाइंट रिस्पेसमेंट, ट्रामा, आर्थ्रोस्कोपी (लिंगामेंट सर्जरी) एवं स्पाइन सर्जरी

सिकरौल, वाराणसी। MOB.-9415227170

साधारण Food Poisoning समझने की भूल न करें, E. Coli संक्रमण पेट में मचा सकता है तबाही

ई कोलाई एक तरह का बैक्टीरिया है। जो अधपके मांस, संक्रमित पानी, दूषित खाने या फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कहीं आप भी तो इस संक्रमण का शिकार नहीं हैं।

क्या आप भी इन दिनों ऐंटन, पेट में दर्द और गैस जैसी समस्या से परेशान रहते हैं। अगर आपको बार-बार यह समस्याएं हो रही हैं, तो इसके पीछे के कारणों को भी जान लेना जरूरी है। कई बार ज्यादा मसालेदार और तला-भुना खाना खाने से पेट संबंधी समस्याएं होती हैं। वहीं कई बार ई. कोलाई जैसे संक्रमण की वजह से भी आपके पेट में गड़बड़ी हो सकती है।

बता दें कि ई कोलाई एक तरह का बैक्टीरिया है। जो अधपके मांस, संक्रमित पानी, दूषित खाने या फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। हालांकि इस बैक्टीरिया की कई किस्में हमारी आंतों में हमेशा मौजूद रहती हैं। लेकिन जब कुछ विशेष रोग पैदा करने वाले स्ट्रेन शरीर में प्रवेश करते हैं, तो समस्याएं ज्यादा बढ़ जाती हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कहीं आप भी तो इस संक्रमण का शिकार नहीं हैं।

वहीं इससे अपना बचाव कैसे कर सकते हैं।

कहीं आपको भी तो नहीं हुआ संक्रमण

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक गर्मी और मॉनसून के दिनों में इस संक्रामक रोग का खतरा सबसे ज्यादा देखा जाता है। खासतौर पर बारिश का मौसम, दूषित पानी, बिना धुले फल-सब्जियां, अधपका खाना और साफ-सफाई का ध्यान न रखना संक्रमण के जोखिम को बढ़ा देता है। कई बार यह संक्रमण हल्का होता है और अपने आप सही हो जाता है। वहीं छोटे बच्चों, कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों और बुजुर्गों में यह संक्रमण समस्या पैदा कर सकता है। अगर पेट में लगातार मरोड़, खून वाला दस्त, बुखार, तेज दर्द या डिहाइड्रेशन के संकेत दिखते हैं, तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जानें ई. कोलाई के खतरे

वैसे तो यह बैक्टीरिया हमारी आंतों में सामान्य रूप से मौजूद रहते हैं। वहीं इससे कोई समस्या नहीं होती है। लेकिन इसके कुछ स्ट्रेन संक्रमण पैदा कर सकते हैं। इस संक्रमण को गंभीर दस्त और आंतों की सूजन को बढ़ाने वाला माना जाता है। इसके लक्षणों में ऐंटन, दस्त, पेट दर्द, मतली, उल्टी और पेट भारी लगना आदि शामिल हैं। वहीं कुछ गंभीर लक्षणों में बुखार और खूनी दस्त की समस्या हो सकती है। गंभीर संक्रमण होने पर दस्त की वजह से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है।

जानें कैसे फैलता है संक्रमण

अगर आप दूषित पानी या खाना खा रहे हैं, तो ई कोलाई संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। अगर सब्जियां और फल बिना धोए खा लेते हैं, मांस अधपका हो तो इससे भी खतरा हो सकता है। वहीं संक्रमित व्यक्ति के शौच के बाद हाथों को अच्छे से न धोने पर भी बैक्टीरिया फैल सकता है।

कैसे करें बचाव

यह संक्रमण साफ-सफाई की कमी की वजह से होता है। इसलिए साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। अपने हाथों को पानी और साबुन से अच्छे से धोना जरूरी है। खाने को अच्छे से पकाएं, साफ पानी पिएं और फल-सब्जियों को अच्छे से धोने के बाद ही खाएं। अगर आपको दस्त हो रहा है, तो खूब पानी पिएं और